

---

مجموعه اشعار

جلد سوم

---

جعفر آرونی کاشی

---

[www.ketab.ir](http://www.ketab.ir)

www.ketab.ir

---

|                     |   |                                        |
|---------------------|---|----------------------------------------|
| سرشناسه             | : | آرونی کاشی، جعفر، ۱۳۲۹.                |
| عنوان و نام پدیدآور | : | مجموعه اشعار جلد سوم/ جعفر آرونی کاشی. |
| مشخصات نشر          | : | تهران: پرتوک، ۱۴۰۰.                    |
| مشخصات ظاهری        | : | ۱۶۳ ص.                                 |
| شابک                | : | ۹۷۸-۶۰۰-۸۷۸۲-۷۶-۶                      |
| شابک دوره           | : | ۹۷۸-۶۰۰-۸۷۸۲-۷۷-۳                      |
| وضعیت فهرست‌نویسی   | : | فیا                                    |
| موضوع               | : | شعر فارسی - قرن ۱۴.                    |
| رده‌بندی کنگره      | : | PIR ۸۳۳۳                               |
| رده‌بندی دیویی      | : | ۸۶۱/۶۲                                 |
| شماره کتابشناسی ملی | : | ۸۴۱۳۴۹۴                                |

---



مجموعه اشعار (جلد سوم)

جعفر آرونی کاشی

نویت و سال چاپ: اول، ۱۴۰۰

تیراژ: ۵۰۰ نسخه

شابک: ۹۷۸-۶۰۰-۸۷۸۲-۷۶-۶

شابک دوره: ۹۷۸-۶۰۰-۸۷۸۲-۷۷-۳

صفحه آرایی و طراحی جلد: مؤسسه کتاب آرا

چاپ و صحافی: مشکی

قیمت: ۶۰۰۰۰ تومان

حق چاپ برای ناشر محفوظ است.

مرکز پخش: میدان انقلاب - خیابان وحید نظری، پلاک ۱۵۰، واحد ۵

تلفن تماس: ۶۶۹۷۹۱۶۵ - ۰۹۱۰۱۴۴۲۰۵۹

## فهرست اشعار

|                             |                            |
|-----------------------------|----------------------------|
| تواضع ..... ۳۲              | نگین ..... ۷               |
| اضطراب مادر ..... ۳۳        | مژده معبود ..... ۸         |
| استاد و وجدان ..... ۳۵      | هم قطاران ..... ۹          |
| دوران جاهلیت ..... ۳۷       | فرزانه ..... ۱۰            |
| سئوالات ..... ۴۱            | خریدار ..... ۱۱            |
| آفرینش ..... ۴۴             | غمزده تر ..... ۱۲          |
| پیامبران ..... ۵۵           | ملک عشق ..... ۱۳           |
| شیث و ادریس ..... ۵۶        | فراخ چشم ..... ۱۴          |
| حضرت نوح ..... ۵۷           | کرونا زده ..... ۱۵         |
| حضرت هود ..... ۵۸           | (ش) ..... ۱۷               |
| حضرت صالح ..... ۵۹          | خندید و رفت ..... ۱۸       |
| حضرت ابراهیم ..... ۶۰       | خبر ..... ۱۹               |
| حضرت لوط ..... ۶۶           | اوج فراق ..... ۲۰          |
| حضرت یعقوب ..... ۶۹         | بر باد رفته ..... ۲۱       |
| حضرت یوسف ..... ۷۱          | ستایش ..... ۲۲             |
| لوطی خان ..... ۷۳           | قدرت خدا ..... ۲۳          |
| نگاه سبز ..... ۷۵           | بنی آدم ..... ۲۴           |
| همای سعادت ..... ۷۶         | به هوش ..... ۲۶            |
| وادی غم ..... ۷۷            | آسایشگاه سالمندان ..... ۲۷ |
| ابریشم ..... ۷۸             | در گروه ..... ۲۸           |
| تیمور لنگ در جوانی ..... ۷۹ | کوبد - ۱۹ ..... ۳۰         |

|          |                           |          |                     |
|----------|---------------------------|----------|---------------------|
| ۱۳۳..... | بدهاۀ طنز.....            | ۹۸.....  | ناچار.....          |
| ۱۳۵..... | افاده‌ها طَبَق طَبَق..... | ۹۹.....  | نایره ی عشق.....    |
| ۱۳۶..... | حق موجود.....             | ۱۰۰..... | نکونام.....         |
| ۱۳۷..... | چرت و پرت.....            | ۱۰۱..... | مجذور آینه.....     |
| ۱۳۸..... | کفر نعمت.....             | ۱۰۴..... | بشارت.....          |
| ۱۳۹..... | جهنم.....                 | ۱۰۵..... | حافظ.....           |
| ۱۴۱..... | نان و نمک.....            | ۱۰۷..... | نو نهال.....        |
| ۱۴۲..... | نگار دلبر.....            | ۱۱۰..... | فتح باب.....        |
| ۱۴۳..... | همشایه.....               | ۱۱۱..... | نمونه نایاب.....    |
| ۱۴۴..... | از هر دری سخنی.....       | ۱۱۲..... | بدک نیست.....       |
| ۱۴۶..... | استغاثه.....              | ۱۱۳..... | تقدیر.....          |
| ۱۴۸..... | هم وزن رباعی.....         | ۱۱۴..... | حُب پدر.....        |
| ۱۴۹..... | رباعی.....                | ۱۱۵..... | خانه تکانی.....     |
| ۱۵۰..... | رباعی.....                | ۱۱۶..... | یاد آیام.....       |
| ۱۵۱..... | طیر ابابیل (ویروس).....   | ۱۱۷..... | شکر نعمت‌ها.....    |
| ۱۵۲..... | سایه.....                 | ۱۱۸..... | طرفند عقیبی.....    |
| ۱۵۳..... | عیادت.....                | ۱۱۹..... | دلارای ثریا.....    |
| ۱۵۴..... | انتظار کبریا.....         | ۱۲۱..... | سهیل.....           |
| ۱۵۵..... | باور و شاهزی.....         | ۱۲۲..... | پند لقمان.....      |
| ۱۵۷..... | حقیقت.....                | ۱۲۵..... | بدگمانی.....        |
| ۱۵۸..... | نسیم بهاری.....           | ۱۲۶..... | مردان روزگار.....   |
| ۱۶۰..... | التماس.....               | ۱۲۷..... | بیرق بطلان.....     |
| ۱۶۱..... | طفولیت.....               | ۱۲۸..... | اسلاف شاعر.....     |
| ۱۶۲..... | گنج و مار.....            | ۱۳۱..... | شعر من.....         |
| ۱۶۳..... | همسر خوب.....             | ۱۳۲..... | گربه در انتظار..... |